



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 141]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 3, 1996/चैत्र 14, 1918

No. 141] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 3, 1996/CHAITRA 14, 1918

पर्यावरण और सत्र मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1996

सा.का.नि. 176 (अ) :- केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 6 और 25 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रथात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पर्यावरण (संरक्षण) (संशोधन) नियम, 1996 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 (जिसे इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, “जैव रासायनिक आक्सीजन डिमाण्ड (5डे 20 सी)” शब्दों, अंकों और कोण्ठकों के स्थान पर, जहां जहां वे आते हैं, निम्नलिखित शब्द, अंक और कोण्ठक रखे जाएंगे, प्रथात् :-

“जैव रासायनिक आक्सीजन डिमाण्ड (बी ओ डी) 27° से पर 3 दिन”

3. उक्त नियमों की अनुसूची 1 में :-

(क) किण्वन उद्योग, (आसवनियां, यवरस शालाएं और निसवनियां) से संबंधित ऋम संज्याक 15 के सामने स्तम्भ 3 और 4 में विद्यमान बी ओ डी पैरा मीटरों और मानकों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, प्रथात् :-

क्रम संख्या	उद्योग	पैरामीटर	मानक
		“बी ओ डी (27° से 3 दिन) अन्तर्राशीय भूपृष्ठ जल/नदी/नालों में विसर्जन सिचाई के लिए भूमि पर विसर्जन	30 मिलीग्राम/एल
			100 मिलीग्राम/एल

(ख) क्रम संख्यांक 15 के पश्चात् आने वाले टिप्पण में, विद्यमान संख्यांक (2) से (7) (दोनों सम्मिलित हैं) और उनसे संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा ;

(ग) क्रम संख्या 62 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्याएँ और प्रविष्टियाँ अन्तर्स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :-

अनुसूची 1

क्रम सं.	उद्योग	पैरामीटर	मानक
			सान्द्रण निम्नलिखित मि.ग्रा./एल से अधिक नहीं (सिवाय पी एच और अपशिष्ट विसर्जन के)

“63. स्टार्च उद्योग
(मक्का उत्पाद)

बहिस्ताव :	
पी एच	6. 5 — 8. 5
जैव रासायनिक आक्सीजन डिमाण्ड (27° से पर 3 दिन)	100
निलम्बित पिण्ड	150
अपशिष्ट जल विसर्जन	8 मीटर ³ / टन संसाधित मक्का

टिप्पण : नीचे वर्णित दशाओं और स्थानीय अपेक्षाओं के आधार पर, जैव रासायनिक डिमाण्ड और निलम्बित पिण्डों के लिए विहित सीमाएं अधिक या कम बढ़ी की जा सकती हैं ।

- (i) यदि प्राप्त ताजा जल निकाय पेय जल प्रदाय का स्रोत है तो जैव रासायनिक अॉक्सीजन डिमाण्ड को बढ़ावा से 30 मिलीग्राम /एल तक रखा जाएगा ।
- (ii) भूमि पर अनुप्रयोग के लिए जैव रासायनिक आक्सीजन डिमाण्ड (बी ओ डी) 350 मिलीग्राम /एल तक अनुग्रेड होगा परन्तु वह तब जब कि भूमि द्वितीय के उपचार प्रणाली के रूप में अभिकलित और प्रभालित हो और उसमें अपेक्षित मानीटरन सुविधाएं हों । द्वितीय उपचार के पश्चात् भूमि पर के अपवाह जल में 30 मिलीग्राम /एल जैव रासायनिक आक्सीजन डिमाण्ड और “एन” के रूप में अभिव्यक्त 10 मिलीग्राम/एल नाईट्रोट होगी । भू जल क्वालिटी में शुद्ध वृद्धि 3 मिलीग्राम /एल जैव रासायनिक आक्सीजन डिमाण्ड और “एन” के रूप में अभिव्यक्त 10 मिलीग्राम /एल से अधिक नाईट्रोट नहीं होगी ।
- (iii) मलनाली में विसर्जन के लिए जैव रासायनिक आक्सीजन डिमाण्ड को 350 मिलीग्राम /एल तक शिथिल किया जा सकता है यदि ऐसी मलनाली द्वितीयक जैव उपचार के प्रणाली से मिलती हो ।
- (iv) निलम्बित पिण्ड सीमा को 450 मिलीग्राम /एल तक शिथिल किया जा सकता है यदि अपशिष्ट जल को द्वितीय उपचार के लिये जाने वाली नगर मल माली में विसर्जित किया जाता है ।
- (v) आपंक के प्रयुक्ति की दशा में उद्योग संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को तुरंत सूचित करेगा ।

64. छत्ता कठोर कोक भट्टी

(i) नया एकक

उत्सर्जन :

विविक्त पदार्थ (6% सी ओ₂ तक संशोधित) 150 मिलीग्राम/एनएम³

हाड़ोकार्बन 25 पी पी एम

(ii) विद्यमान एकक

विविक्त पदार्थ (6% सी ओ₂ तक संशोधित) 350 मिलीग्राम/एनएम³

टिप्पण : उत्सर्जनों के नियन्त्रण और प्रदूषकों के उचित वितरण के लिए निम्नलिखित मार्ग दर्शक सिद्धान्तों का पालन किया जाएगा :

(i) इस अधिसूचना के प्रकाशन के पश्चात् लगाए गए एककों को नए एकक समझा जाएगा ।

(ii) प्रत्येक एकक द्वारा न्यूनतम 20 मीटर ऊंची चिमनी लगाई जाएगी ।

(iii) कोक की भट्टियों से उत्सर्जनों को सुरंग के माध्यम से प्रणालीकृत किया जाएगा और अन्तिम रूप से चिमनी द्वारा उत्सर्जन किया जाएगा । उष्मा के अधिकतम उपयोग और अद्यत्त कार्बन कणों तथा दाहृ फ्लू गैसों के नियन्त्रण के लिये भी, अवमंदक समायोजन तकनीकों का उपयोग किया जाएगा ।

(iv) विहित मानकों की प्राप्ति के लिए अधिमानसः विद्युत जनन के लिये आर्द्ध मार्जन प्रणाली या अपशिष्ट उष्मा उपयोग अथवा उपोत्पाद उपलब्धि प्रणाली संस्थापित की जाएगी ।

(v) इस अधिसूचना की तारीख से 4 वर्ष के पश्चात् सभी विद्यमान एकक, नए एककों के लिये विहित मानकों का पालन करेंगे ।

उत्सर्जन

विविक्त पदार्थ (6% सीओ₂ तक संशोधित) 350 मिलीग्राम/एनएम³विविक्त पदार्थ (6% सीओ₂ तक संशोधित) 150 मिलीग्राम/एनएम³

टिप्पण : प्रदूषकों के उत्सर्जन के नियन्त्रण/उचित परिक्षेपण के लिये उच्चोग द्वारा निम्नलिखित मार्गदर्शक सिद्धान्तों का पालन किया जाएगा ।

(i) कम से कम 20 मीटर ऊंची चिमनी लगाई जाएगी ।

(ii) सभी भट्टियों को एकल चिमनी बहु-भट्टी प्रणाली में उपान्तरित किया जाएगा ।

(iii) भट्टियों से होने वाले उत्सर्जनों को उनके भीतर बनी ड्राप्ट चिमनी द्वारा प्रणाली कृत किया जाएगा । अधिकतम उष्मा उपयोग तकनीक का प्रयोग किया जाएगा ।

(iv) ऐसे एककों की दशा में जिनकी क्षमता 10 टन या अधिक है, वायु प्रदूषण के नियन्त्रण के लिये आर्द्ध मार्जन प्रणाली का उपबंध किया जाएगा ।

विविक्त पदार्थ (6% सीओ₂ तक संशोधित) 350 मिलीग्राम/एन एम³

टिप्पण : उपोत्पाद उपलब्धि प्रणाली के साथ-साथ आर्द्ध मार्जन प्रणाली का उपबन्ध होगा ।

कार्यक्षेत्र पर्यावरण की उन्नति के लिये उत्सर्जन नियन्त्रण के प्रयोजनार्थ मार्गदर्शक सिद्धान्त (क्रमसंख्यांक 64, 65 और 66 पर के उच्चोगों को लागू)

(क) शमन और आर्द्ध मार्जन के लिये उपयोग किए गए जल को पुनः संरित किया जाएगा और प्रगाहीगतों द्वारा पुनः उपयोग किया जाएगा ।

(ख) भट्टियों में धरण को बेंटोनाइट या किसी अन्य उपयुक्त पेस्ट द्वारा सील बंद किया जाएगा और आशुलंबों के उत्सर्जन को बचाने के लिए उचित अनुरक्षण किया जाएगा ।

66. मूँदु कोक उच्चोग

कोयला हस्तन और संदलन संयंत्र के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत (क्रम संख्यांक 64, 65 और 66 पर के उद्योगों को लागू)

(क) कोयले के ट्रकों की उत्तराई उचित सावधानी से की जाएगी और ऊंचाई से सामग्री को गिरने से बचाया जाएगा। उपर्युक्त यह होगा कि उत्तराई के समय सामग्री पर जल छिड़क कर उसे नम कर लिया जाएगा।

(ख) कोयले का संशोधन किसी बंद स्थान पर किया जाएगा और कोयले के छेरों संदलन थोक तथा संदलन एकक के आसपास की भूमि पर जल छिड़काव की व्यवस्था का उपबंध होगा।

(ग) संयंत्र के आस-पास का कार्यक्षेत्र एस्फाल्ट या कंक्रीट किया जाएगा।

(घ) उद्योग की सीमा के साथ साथ हरित पट्टी का विकास किया जाएगा।

(उ) मृदुकोक के विनिर्माण के लिए कोयले को खुले में जलाने से रोका जाएगा।

67. खाद्य तेल और बनस्पति उद्योग

बहिःस्राव

ताप

प्रापक जल निकाय के परिवेश ताप से 5° सेंटीग्रेड से अधिक न हो।

पी. एच.

6. 5—8. 5

निलंबित पिण्ड

150 एम.जी./एल

तेल और ग्रीस

20 एम. जी./एल

जैव रासायनिक आक्सीजन (27 डिग्री सेंटीग्रेड पर 3 दिन)

100 एम.जी./एल

रासायनिक आक्सीजन डिमांड
अपशिष्ट जलविसर्जन

200 एम.जी./एल

(1) विलायक निष्कर्षण

उत्पाद (तेल) का 2.0 कम/टन

(2) परिष्करणी/बनस्पति

उत्पाद (परिष्कृत तेल/बनस्पति)
का 2.0 कम/टन

(3) विलायक निष्कर्षण और
परिष्करणी/बनस्पति का एकीकृत
एकक

परिष्कृत तेल/उत्पादित बनस्पति का
4.0 कम/टन

(4) बायुदाती ग्रीसल जल/गंधहारी
जल

परिष्कृत तेल/बनस्पति का 15.0
कम/टन

टिप्पणी :

(1) उपर्युक्त मानक संसाधन और शीतल के अपशिष्ट जल को लागू होंगे।

(2) यदि प्रापक ताजा जलनिकाय पेयजल प्रदाय का स्रोत हो तो जैव रासायनिक आक्सीजन डिमांड के कड़ाई से 30 एम.जी./एल पर रखा जायेगा।

(3) बायलर उत्सर्जनों के लिये मानकों को इन नियमोंकी अनुसूची-1 के अधीन विहित रूप में लागू किया जायगा।

68. कार्बनिक रसायनों का विनिर्माण करने वाले उद्योग

बहिःस्राव

(क) मनिकार्य पैरामीटर

6. 5—8. 5

जैव रासायनिक आक्सीजन

100 एम.जी./एल

(27 डिग्री सेंटीग्रेड पर तीन दिन)

तेल और ग्रीस

10 एम.जी./एल

जैव मात्रा निष्करण परीक्षण

100 प्रतिशत बहिःस्राव में 96 घंटे
के पश्चात् भल्ली की न्यूनतम
90% उत्तरजीविता।

(ख) प्रतिरिक्त पैरामीटर

	(एम.जी./एल
नाइट्रोट (एन के रूप में)	1.0
आर्सेनिक	0.2
हैक्सावेलेन्ट क्रोमियम	0.1
कुल क्रोमियम	1.0
सीसा	0.1
सायनाइट (सी एन के रूप में)	0.2
जस्ता	0.5
पारा	0.01
तांबा	2.0
निकल	2.0
फीनालीय	5.0
सी ₃ एच ₅ और एच	
सल्फाइड	2.0

टिप्पण :--

(1) रासायनिक आक्सीजन डिमांड के लिये कोई सीमा विहित नहीं की गई है किन्तु इसे मानीटर किया जायेगा । यदि किसी उपचारित बहिःसाव में रासायनिक आक्सीजन डिमांड मिरंत 250 मि.जा./एल से अधिक रहता है तो ऐसी औद्योगिक इकाइयों से उसे कारित करने वाले रसायनों की पहचान करने की अपेक्षा की जाती है । यदि वे परिसंकटमय रसायन नियम, 1989 में यथापरिभाषित आविषायु पाये जाते हैं तो राज्य बोर्ड ऐसे भागों में उद्योगों को समय-सीमा विहित करने के लिये जुर्माना देंगे । यह पृथक-पृथक केस पर आधारित होगा ।

(2) ये मानक लघु उद्योग/प्रपमार्जक (संरूपनी एकांकों) को लागू नहीं होंगे ।

(3) बायलर उत्सर्जनों के लिये मानक विषमान उत्सर्जन विनियमों के लिये लागू होंगे ।

(4) इस समूह के अन्तर्गत आने वाले उद्योग हैं हैलो-एलिफेटिक, प्लास्टीसाइजर, ऐरोमेटिक (एल्कोहल, फीनोला, एस्टर, क्षार और लवण, एल्डीहाइड, कीटोन), प्रतिस्थापित ऐरोमेटिक, एलिफेटिक (एल्कोहल, एस्टर, क्षार एल्डीहाइड कीटोन ऐमीन और एमाय) तथा अपमार्जक

बहिःसाव

पी एच	6.5--8.5
जैव रासायनिक आक्सीजन डिमांड	100 एम.जी./एल
(27 डिनी सेटीप्रेड पर तीन दिन)	
नियंत्रित पिड कुल	100 एम.जी./एल
सेल और थ्रीस	10 एम.जी./एल
अपशिष्ट जल विसर्जन	संसाधित गेटूं के प्रति टम पर दो क्षून्यिक

टिप्पण :

(1) यदि प्रापक ताजा जल निकाय पीने के जल के प्रशाय का स्रोत है तो बी औ डी को क्षार्ट से 30 मि.जा./एल तक रखा जायेगा ।

(2) भूमि पर अनुप्रयोग के लिये बी औ डी 350 मि.जा./एल तक अनुशासन किया जायेगा यदि भूमि को अपेक्षित मानीटरम सुविधाओं के साथ द्वितीयक उपचार प्रणाली के रूप में अंकित और प्रचालित

किया गया हो। द्वितीयक उपचार के पश्चात् भूमि से प्राप्त अपचार जल को, बीओ डी 30 मि.ग्रा./एल और एन के रूप में अभिव्यक्त नाइट्रोट की 10 मि.ग्रा./एल की सीमा का समाधान करना होगा। भू-जल क्वालिटी में शुद्ध वृद्धि संकलन बी ओ डी के 3 मि.ग्रा./एल और “एन” के रूप में अभिव्यक्त नाइट्रोट के 10 मि.ग्रा./एल से अधिक नहीं होगा।

(3) बी ओ डी मूल्य के 350 मि.ग्रा./एल तक शिथिल किया जा सकता है यदि अपशिष्ट जल के द्वितीयक जैविक उपचार तंत्र के लिये जाने वाली नगर मलनाली में विसर्जित किया जाता है।

(4) निलंबित पिंड सीमा को 450 मि.ग्रा./एल तक शिथिल किया जा सकता है यदि अपशिष्ट जल को द्वितीयक जैविक उपचार तंत्र के लिये जाने वाली नगर मलनाली में विसर्जित किया जाता है।

70. बॉयलर(लघु)

वाष्प जनन क्षमता (टन/घंटा)	पदार्थ उत्सर्जन (एम.जी./एन एम ³)
दो से कम	1200*
दो से लेकर दस से कम तक	800*
10 से 15 से कम तक	600*
15 और उससे अधिक	150**

*इन मानकों को पूरा करने के लिए बॉयलर में नियन्त्रण उपस्कर के रूप में चक्रवात/बहु चक्रवात की सिफारिश की जाती है।

**मानकों को पूरा करने के लिए बॉयलर में नियन्त्रण उपस्कर के रूप में बैक फिल्टर/ई.एस.पी. की सिफारिश की जाती है।

टिप्पण : —

(1) बॉयलरों के सभी प्रबगों के लिए विविक्त पदार्थ उत्सर्जन मानकों के लिए 12% सी ओ₂ संशोधन निर्देश मूल्य होगा।

(2) इन सीमाओं से अधिसूचना पर्यावरण संचया सा.का.नि. 742 (अ) तारीख 3 अगस्त, 1990 द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 में अनुसूची-1 के अंतर्गत क्रम संख्या 34 पर अधिसूचित की गई पूर्वतर सीमाओं का अधिक्रमण होगा।

(3) लघु बॉयलर के लिए चिमनी की ऊंचाई ऐसे लघु बॉयलरों के लिए जिनमें कोयला या द्रविद ईंधन का प्रयोग किया जाता है बॉयलर के साथ चिमनी की अपेक्षित ऊंचाई निम्नलिखित सूत्र के प्रयोग से संगणित की जाएगी।

$$\text{एच.} = 14 \text{ क्यू}^{0.3}$$

यहां एच³ भूस्तर से चिमनी की कुल ऊंचाई भीटरों में

$$\text{क्यू} = \text{एस.ओ.}_2$$

उत्सर्जन दर कि.ग्रा./घंटों में।

किसी भी दशा में चिमनी की ऊंचाई 11 भीटर से कम नहीं होगी।

जहां उपर्युक्त सूत्र के प्रयोग से ऊंची चिमनियों का उपबंध सुसंगत न हो वहां एस ओ₂ उत्सर्जन के लिए 400 एम.जी.एन.एम³ की सीमा को न्यूनतम 11 भीटर ऊंची चिमनी में आवश्यक नियन्त्रण उपस्कर की व्यवस्था द्वारा पूरा किया जाएगा।

71. नाशक जीवमार उद्योग

(1) अनिवार्य देरा भीटर एम.जी./1 पी.एच. को छोड़ कर
पी.एच.

$$6.5 - 8.5$$

बी औ डी	100
(27 डिग्री सेंटीग्रेड पर तीन दिन)	
तेल और ग्रीस	10
निर्वित पिण्ड	10
जेंव मात्रा आमापन	90 % बहिःकाव और 10 % तनुकारी जल में 96 घंटे के पश्चात्
परीक्षण	मछली की व्यूनतम 90 % उत्तर्जीविता/परीक्षण भा.म. 6502-1971 के अनुसार किया जाएगा ।
(2) अतिरिक्त पैरा नीडर	पि.ग्रा./एल.
(क) भारी धातु	
तांबा	1. 0
मैग्नीज	1. 0
जस्ता	1. 0
पारा	0. 01
टिन	0. 1
पिक्ल के जैसा कोई और	प्रत्येक केम में पेय जल से मानक पांच गुणा में अधिक नहीं होगा ।
(ख) कार्बनिक	
फीनोल और फीनोलिक मिश्रण जैसा	
सी ₆ एच ₅ ओ.एच.	10
(ग) ए.एस. के रूप में आसेनिक	0. 2
सी.एन. के रूप में सायनाइड	0. 2
एन ओ ₃ के रूप में नाइट्रो	50
पी.के रूप में फास्फेट	5. 0
(घ) विनिर्दिष्ट नाशक जीवमार	(माइक्रोग्राम/सीटर)
बैन्जीन--हैक्सोक्लोराइड	10
डी डी टी	10
डाई-ब्योट	450
तांबा आँखीक्लोराइड	9600
जिराम	1000
2, 4 डी	400
पैराक्वेट	23000
परापैनिल	7300
नाइट्रोफेन	780
अन्य (नीचे वर्णित नाशक	100
जीवमान प्रथकतः)	

अन्य नाशक जीवमार

(1) कीटनाशी :

एस्यूमिनियम फास्फाईड	लिन्डेन	पाएरेथम निष्कर्ष
डाइक्लोरोबास	मेलिथियन	किनालफास
ईडी टी सी मिश्रक	मैथील ब्रोमाईड	मोनोक्लोफास
ऐथलीन डाइब्रोमाइड	निकोटीन सल्फेट	कार्बरिल
इथियोन	आक्सीडीमैटोन भैथील	एंजीसल्फन
फैनीट्रोट्यॉन	भैथील वैंरोथ्योन	फेनवेलीरेट
लाइम सल्फर टेल्फोस	फॉस्फेमीडोन	फोरेट

(2) क्षक्तनाशी

ओस्ट्रियोफंगिन

बेरियम पोलीसल्फाइड

क्यूपरस आक्साईड

फरबॉम

मैक्रोसिब

मनब

निकल ब्लोराइड

ओरगोनोमरक्यूरिल्पस (एम ई एम सी और पी एम ए)

सल्फर (कोलाईड्स, कलैदषीय और धूल)

स्ट्रैटोसाइक्लीन

थीराम

जिनेब

कार्बोन्डाजिम

ट्राईडेमोरफ

(3) कुन्तक्तनाशी :

कोमाक्यूरिल

बारफेरिन

जिक कास्फाइड

(4) सूनक्षमिनाशी

भैथम एन-सोडियम

(5) खरपतवारनाशी

फलू ब्लोरेलिन

आइसोप्रोट्रॉन

ब्रुटाक्लोर

एनिलफास

(6) पादप संबंधन नियामक :

ब्लोरोभैक्वेट ब्लोराइड

नेमफेलीन एसेटिक एसिड

(7) कोई अन्य नाशक जीवमार जो ऊपर विनिर्दिष्ट न किए गए हों ।

टिप्पणी :

(1) किसी तनुकरण से पूर्व उपचार संयंत्र के अंत में सीमाओं का पालन किया जाएगा ।

(2) 71 (11) में विनिर्दिष्ट “अतिरिक्त पैरा थीटरें” में से संबंधित राज्य बोर्ड द्वारा पृथक-पृथक केस के आधार पर केवल सुमंगल पैरामीटर (उपयोग की गई कच्ची सामग्री और विनिर्मित उत्पादों के आधार पर) विहित किए जाएंगे ।

(3) रासायनिक आक्सीजन डिमांड की कोई सीमा विहित नहीं की गई है यदि किसी उपचारित बहिःन्वाव में रासायनिक आक्सीजन डिमांड निरंतर 250 मि.ग्रा./एल से अधिक रहता है तो ऐसी ओक्सीगिक एक्कों से उसे कारित करने वाले रासायनिक की पहचान करने की अपेक्षा की जाती है । यदि ये परिसंकटमय रसायन नियम, 1989 में यथा-परिभाषित आविष्यामु पाए जाते हैं तो राज्य बोर्ड ऐसे मामलों में उद्योगों को समय-सीमा अनुबद्ध विहित करते हुए, तृतीयक उपचार संप्रत्र संस्थापित करने का निरेण देंगे । यह पृथक-पृथक केस पर आधारित होगा ।

(4) सौर वाष्णीकरण भी उसके पश्चात् भव्यताप्राप्त प्रथा है परन्तु यह तब जब कि नीचे दिए गए और वाष्णीकरण के मार्गदर्शी सिद्धांतों का पालन किया जाए ।

नाशक जीव-मार उद्योग के अपशिष्ट जल के लिये सौर वाष्णीकरण तंत्र के लिये मार्गदर्शी सिद्धांत :

(1) सौर वाष्णीकरण कड़ाहों का सन्तुर्माण इस प्रकार किया जायेगा कि उसका तल भूतल से कम से कम एक मीटर ऊंचा हो ।

(2) सौर वाष्णीकरण कड़ाहें रिसन सहुय और अप्रबेश्य होंगे और भा.म.-7290 के अनुसार अभिकल्पित होंगे ।

(3) सौर वाष्णीकरण कड़ाहों की अभिकल्पना अपशिष्ट जल के निर्गम से सुमेलित वाष्णीकरण दर के आधार पर की जायेगी ।

(4) अपशिष्ट जल का सौर वाष्णीकरण करने से पूर्व निम्नलिखित रूप में पूर्वउपचार किया जायेगा :

(क) तेल और ग्रीस तथा लवमान कार्बनिकों को हटा दिया जायेगा जिससे कि वाष्णीकरण की दर पर प्रभाव न पड़े ।

(ख) अम्लीय/क्लारीय/अपशिष्ट को सौर वाष्णीकरण करने से पूर्व निष्प्रभावित करने पी एच को 6.5 से 8.5 की रेंज में रखा जायेगा ।

(v) आविशालु वाष्पशील पदार्थ को हृष्टा दिया जायेगा जिससे कि वायु प्रदूषण न हो।

(vi) वर्षा झरने के दौरान, वर्षा के पानी को संसाधित अपशिष्ट से मिलकर कड़ाहों में प्रवेश नहीं करने दिया जायेगा। अपशिष्ट जल का किसी भी दशा में वाष्पीकरण कड़ाहों से निकाव नहीं होगा। अपशिष्ट जल को उचित अवयव टैंकों में रखने के लिये अनुकूली प्रबंध किये जायेंगे और यदि आवश्यक हो तो बदल हारा वाष्पीकरण किया जायेगा।

(vii) किसी भी परिस्थिति में व्रिष्टि उत्सर्जक का विसर्जन न्यूनतम राष्ट्रीय मानकों का पालन किए बिना नहीं किया जायेगा। या धारण व्यवस्था में भौमिकता नहीं किया जायेगा जिससे प्रदूषण होने की संभावना हो।

(viii) और वाष्पीकरण कड़ाहों के आपांक को भस्म किया जायेगा या भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित खननारोग अपशिष्ट के प्रबंध और हस्तन के लिये मार्गदर्शी सिंडोंटों के अनुसार, खननारोग अपशिष्ट (हस्तन और प्रबंध) नियम, 1989 के अधीन राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राधिकरण प्राप्त करने के पश्चात् विसर्जित किया जायेगा।

(ix) इस सुविधा को वाढ़ और तृकान में संरक्षित किया जायेगा जिससे कि इसके किनारों को अपर्दन या किसी ऐसे नुकसान से बचाया जासके जो कि उसके किसी भाग को अप्रचलनीय कर दें।

7.2. तेल बेंगन और गैस

निष्कर्षण उत्तरोग

क. व्रव बहिःनाव के लिये मानक

1. ० तटीय सुविधाएं

(समुद्री विसर्जन के लिये)

पी.एच.	5.5 - 9.0
तेल और ग्रीस	10 मि.ग्रा./एल.
निलंबित पिण्ड	100 मि.ग्रा./एल
जैव गतावनिक आक्सीजन	30 मि.ग्रा./एल
डिमांड (27 डिग्री से पर तीन दिन)	---

टिप्पणी ---

(i) बहिःनाव के तटीय विसर्जन के लिये विमर्जन बिन्दु से पचास भीटर की दूरी के भीतर, समुद्रीय जलीय जीवों के संरक्षण के लिये नीचे दी गई उनकी आविशालुता सीमाओं से समुद्री जल में पृथक-प्रयोक्त प्रदूषक सांदर्भ स्तर को कम रखने के लिये उचित समुद्री दहाने का उपबन्ध किया जायेगा।

पैरा मीटर

आविशालुता सीमा मि.ग्रा./एल

क्रमिक्रम (मि.ग्रा. के रूप में)	0.1
तांबा, मी. यू. के रूप में	0.05
सायनायड, मी. एन के रूप में	0.005
फ्लोरोराइड, एफ के रूप में	1.5
सीमा, पी. बी के रूप में	0.05
पारा, एच जी के रूप में	0.01
निकल, एन आई के रूप में	0.1
जिक, जेड एन के रूप में	0.1

(ii) भूमि पर स्थित और घबण जा विषय गर्न से दूर राख और गैर दैध्य और संवाधन सुविधाएँ यो सो उपचारित जल के विसर्जन के लिये तर्टेल विसर्जन का अनुकूल्य ने मानी है या तात्पत कुएँ में पुनः अंतःक्षेपन अपना सकती है जो कि भूस्तर से 1000 मीटर गहराई से अधिक होने पर ही अनुमति किया जायेगा। त्वरित कुएँ में पुनः अंतःक्षेपन की दशा में विवाद, निवारित पिछ और तेल तथा ग्रीस की बाबत क्रमशः 100 मि.ग्रा./एल और 10 मि.ग्रा./एल के अनुरूप होगा। तर्टेल विसर्जन के लिये अनुमेय सीमाएँ निम्नलिखित हैं :—

क्रम सं.	पैरा भीटर	तटीय विसर्जन भानक (इनमें प्रतिक ननी)
1.	पी.एच	5.5—9.0
2.	ताप	40 मि.ग्रा. सैलियस
3.	नियंत्रित पिछ	100 मि.ग्रा./एल
4.	जिक	2 मि.ग्रा./एल
5.	जैव रा. तापनिक ग्रावरीजन डिमांड	30 मि.ग्रा./एल
6.	रासायनिक ग्रावरीजन डिमांड	100 मि.ग्रा./एल
7.	क्लोराइड	600 मि.ग्रा./एल
8.	सर्फेट	1000 मि.ग्रा./एल
9.	टी.डी.एस	2100 मि.ग्रा./एल
10.	प्रतिशत सोडियम	60 मि.ग्रा./एल
11.	तेल और ग्रीस	10 मि.ग्रा./एल
12.	फैनोलिक्स	1.2 मि.ग्रा./एल
13.	सायनाइड	0.2 मि.ग्रा./एल
14.	प्लोराइड	1.5 मि.ग्रा./एल
15.	सल्फाइड	2.0 मि.ग्रा./एल
16.	क्रोमियम (सी ग्रार + 6)	0.1 मि.ग्रा./एल
17.	क्रोमियम (क्रूज)	1.0 मि.ग्रा./एल
18.	तांबा	0.2 मि.ग्रा./एल
19.	सीसा	0.1 मि.ग्रा./एल
20.	पारा	0.01 मि.ग्रा./एल
21.	निकल	3.0 मि.ग्रा./एल

2.0 तटीय सुविधाएँ :

बहिःस्नावों के अप-तटीय विसर्जन के लिये, अतगुरुत्तम उपचारित बहिःस्नाव में तेल अंतैवस्तु, पर्यावेक्षण के 95 प्रतिशत में 40 मि.ग्रा./एल से अधिक नहीं होगा और वही भी 100 मि.ग्रा./एल से अधिक नहीं होगा। प्रतिदिन तीन 8-9 घण्टे पर लिये गये नमूनों का संग्रह अपेक्षित होगे और नीचे नमूनों में तेल और ग्रीस की अंतैवस्तु का औसत मूल्य हन मानकों के अनुरूप होगा।

(ख) गैसीय उत्सर्जन के विसर्जन के लिये मार्गवर्णन सिद्धांत

1.0 डी.जी.सेट्स

1.1 ब्रेथ रथल और उत्पादन केन्द्र पर भी डी.जी. सेट्स पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अधीन अधिसूचित मानक के अनुरूप होगे।

2.0 उत्थित भू धधक

2.1 गैसों के शीत निकासन का कभी भी सहारा नहीं निया जायेगा और सभी गैसीय उत्सर्जनों को धधकाया जायेगा ।

2.2 सभी धधकन उत्थित धधकों से की जायेगी सिवाय तब के जब उसका प्रभाव फसल पार्श्वस्त धेनों में फसल उत्पादन पर धधकन के कारण प्रभाव पड़ रहा हो । ऐसे मामलों में भूधधकन अपनाई जा सकती है ।

2.3 भूधधकन के मामले में, धधकन के प्रभाव को कम से कम करने के लिये, समूह एकत्रण केन्द्र (जी जी एस)/तेल संग्रहण स्थल (ओसीएस) तथा समूह संग्रहण केन्द्र (जी सी एस) से धधकन गर्म आर सी सी से बनाया जायेगा, जिसके आसपास, पार्श्वस्त धेनों में विकिरण और प्रखरता प्रभाव को कम करने के लिये कम से कम पांच मीटर ऊंची दीवार (उच्च ताप सहृद्दों से बनी) बनाई जायेगी ।

2.4 भूधधकन की दगा में उच्च ताप गह दीवार के पश्चात् धधक के आसपास 100 मीटर चौड़ी हरित पट्टी विकसित की जायेगी ।

2.5 यविश्वरित पट्टी के उपबन्ध के साथ भूधधकन सुरक्षित न हो तो संवेदित भूधधक प्रणाली अपनाई जायेगी और उसे उचित समवेष्टन ऊंचाई के साथ अभिकलित किया जायेगा जिससे भूस्तरीय सान्द्रन (जी एल सी) अपेक्षा को पूरा किया जायेगा ।

2.6 उत्थित धधकन की दशा में चिमनी की न्यूनतम ऊंचाई 30 मीटर होगी । चिमनी की ऊंचाई उतनी होगी कि भूस्तरीय सान्द्रन विश्वित परिवेशी वायु, व्यालिटी सीमा से कभी अधिक न हो ।

3.0 गैसों में विद्युतावों को कभी भी किसी भी प्रक्रम पर जलाया नहीं जायेगा ।

ग. ठोस अपशिष्ट के विसर्जन के लिये मार्गदर्शक सिद्धांत :

1.0 वेधन की कर्तनों का विसर्जन

1.1 वेधन की कर्तनों को उचित रूप में धोने के पश्चात् संवाहक प्रणाली द्वारा विसर्जनगत में संवाहित किया जायेगा ।

1.2 कोई भी वेधन की कर्तन (किसी भी संरचना की) अपतट पर विसर्जित नहीं की जायेगी । अपतटीय संस्थापन के लिये पंक से पृथक की हुई वेधन कर्तनों को अभितट पर, पर्यावरण और वन मंत्रालय के मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार सुरक्षित भूमि भरण विसर्जन के लिये प्रदाय यानों के माध्यम से वहन किया जायेगा । स्थल का अनुमोदन संबंधित प्राधिकारी (राज्य सरकार/राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) द्वारा किया जायेगा ।

1.3 वेधन कर्तनों का विसर्जन (अभितट/अपतट), पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा उपबन्धित मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुरूप होगा ।

1.4 सुरक्षित भूमि-भरण गत स्थानीय उपरिमूदा की मोर्टा परत से छका हुआ होगा और वेधन संक्रिया के पूर्ण होने के पश्चात् उचित उपरिमूदा बनाई जायेगी ।

2.0 वेधन पंक का विसर्जन

2.1 वेधन पंक का प्रयुक्त न किया जा सकने वाला अंग (किसी भी संरचना का) भूमि उद्धार के पश्चात् केवल संबंधित प्राधिकारी (राज्य सरकार/राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) द्वारा अनुमोदित सुरक्षित भूमि-भरण स्थल पर ही किया जायेगा । पंक का विसर्जन, व्यालानाक अपशिष्ट (प्रबंध और हस्तन) नियम, 1989 के अन्तर्गत पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा उपबन्धित मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुरूप होगा ।

2.2 कोई भी पंक (किसी भी संरचना का) अपतट पर विसर्जित नहीं किया जायेगा । अपतटीय संस्थापन के लिये पंक का प्रयुक्त न किया जा सकने वाले अंग सुरक्षित भूमि-भरण में विसर्जन के लिये तट पर लाया जायेगा ।

2.3 केवल जल आशारित पंक प्रणाली का उपयोग किया जायेगा । जहां तेल आशारित पंक का प्रयोग किया जाता है, पंक जब प्रयोग न किया जाने योग्य हो जाये तो उसे केन्द्रीय उपचार सुविधा में उचित रूप से उपचारित/भस्त्रित किया जायेगा । अपतटीय संस्थापन की दशा में इन्हें तट पर लाया जायेगा और उपचारित किया जायेगा ।

3.0 उत्पादन प्रक्रम के ठोस अपशिष्ट का विसर्जन

3.1 अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र का शुक्कित अपकं और उत्पादन प्रक्रम के अन्य ठोस अपशिष्टों को सुरक्षित भूमि भरण में विसर्जित किया जायेगा ।

3.2 यदि अपकं में तेल अंतर्वेस्तु अधिक हो तो उसे उचित रूप में उपचारित /भस्त्रित किया जायेगा और राख को किसी सुरक्षित भूमि-भरण में विसर्जित किया जायेगा ।

73. औषध उद्योग
(प्रपुंज औषधियां)

(1) अनिवार्य पैरामीटर	(मिलीग्राम/एल सिवाय पी एच के)
पी एच	6. 5--8. 5
तेल और ग्रीस	10
जैव रासायनिक	100
आक्सीजन डिमाण्ड (27° सें. पर 3 दिन)	
कुल निलम्बित पिन्ड	100
जैव आमापन जांच	100 प्रतिशत बहिन्दाव में 96 घंटों के पश्चात 90 प्रतिशत उत्तरजीवित परीक्षण भा. मा 6582-1971 के अनुसार किया जायेगा ।
(ii) अतिरिक्त पैरामीटर	मिलीग्राम/एल
पारा	0. 01
ग्रासेनिक	0. 2
आमियम (हैक्स्यसेट)	0. 1
सीसा	0. 1
सायनाइड	0. 1
फेनोलिक्स	1. 0
(सी. 6 एच. 5 और एच)	
सल्फाइड (एस के रूप में)	2. 0
फास्फेट (पी के रूप में)	5. 0

टिप्पण :

(i) जैव रासायनिक आक्सीजन डिमाण्ड (27° सें. पर 3 दिन) की सीमा 30 मिलीग्राम/एल होगी यदि बहिन्दाव सीधे ताजा जल निकाय में विसर्जित किया जाता है ।

(ii) अतिरिक्त पैरामीटर, प्रपुंज औषध विनिर्भाण एककों को, संसाधन और उत्पाद पर निर्भर करने हुए लागू होंगे ।

(iii) रासायनिक आक्सीजन डिमाण्ड की कोई सीमा विहित नहीं की गई है किन्तु इसे मानीटर किया जायेगा यदि किसी उपचारित बहिन्दाव में रासायनिक आक्सीजन डिमाण्ड निरन्तर 250 मि.ग्रा./एल से अधिक रहता है तो ऐसी औद्योगिक एककों से उसे धारित करने वाले रसायनों की पहचान करने की अपेक्षा की जाती है । यदि ये परिसंकट मय रसायन नियम में यथापरिभाषित आविषातु पाये जाते हैं तो राज बोर्ड ऐसे मामलों में उद्योगों को अनुबंध समय सीमा में करने हुए तृतीयक अभिउपमानतज्ज संस्थापित करने के नियम देगे । यह पृथक-पृथक केस पर आधारित होगा ।

74. ईटिका भट्टों के लिये

उत्तरार्जन मानक :—

[१. ईटिका भट्टों के लिये न्यूनतम राष्ट्रीय उत्तरार्जन मानक :—

आकार	भट्टे की क्षमता	विविक्त पदार्थ के साथज की अधिकतम सीमा (मिलीग्राम/एनसीयूएम)
लघु	प्रतिदिन 15,000 ईटिकाओं से कम (15 फुट से कम छोड़ी खाई)	1000
मध्यम	प्रतिदिन 15,000—30,000 ईटिकाएं (15—22 फुट छोड़ी खाई)	750
मूल्य	प्रतिदिन 30,000 ईटिकाओं से अधिक (20 फुट से अधिक छोड़ी खाई)	750

टिप्पण : उपर्युक्त विविक्त पदार्थ उत्तरार्जन सीमाएं, नीयत चिमनी उच्चवात प्रवाह भट्टों और/या निःसाधन वेशम संस्थापित करके प्रात तकी जा सकती है।

II. चिमनी की ऊंचाई संबंधी नियम :

विविक्त पदार्थ के परिक्षेपण के अनुकूली परिक्षेपण के लिये चिमनी की निम्नलिखित ऊंचाइयों की सिफारिया की जाती है :—

भट्टी की क्षमता	चिमनी की ऊंचाई
प्रतिदिन 15,000 ईटिकाओं से कम (15 फुट से कम छोड़ी खाई)	चिमनी की कम गें कम 22 मीटर ऊंचाई या प्रेरित वात प्रवाह पंखा जो 12 मीटर ऊंची चिमनी के साथ 50 मिलीमीटर बाटरगेज के न्यूनतम प्रवाह पर प्रचालित किया जाता है।
प्रतिदिन 15,000—30,000 ईटिकाएं (15—22 फुट छोड़ी खाई)	गुरुत्वादीय निःसाध वेशम सहित कम से कम 27 मीटर ऊंची चिमनी या, प्रेरित वात प्रवाह पंखा जो 15 मीटर ऊंची चिमनी के साथ 50 मिलीमीटर बाटर गेज के न्यूनतम प्रवाह पर प्रचालित किया जाता है।
प्रतिदिन 30,000 ईटिका से अधिक (22 फुट से अधिक छोड़ी खाई)	गुरुत्वादीय निःसाध वेशम सहित कम से कम 30 मीटर ऊंची चिमनी या प्रेरित वात प्रवाह पंखा जो 17 मीटर ऊंची चिमनी के साथ 50 मिलीमीटर बाटर गेज के न्यूनतम प्रवाह पर प्रचालित किया जाता है।

III. 31 दिसम्बर 1997 तक विद्यमान चल चिमनी वुल खाई भट्टियों का स्थाग कर दिया जायगा और कोई नई चल चिमनी भट्टी लगाने की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी।

IV. उपस्थिति के संरक्षण की अव्यवहृत अवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और फ्लाईएश के सुरक्षित विसर्जन उपयोग के लिये मार्ग ढूँढ़ने के लिये यह उपबंध किया जाता है कि 1 जनवरी 1997 से किसी ऊंचाई विशुल संयंत्र के 50 किलोमीटर द्वारा संचालित सभी ईटिका विनिर्माता एक ईटिकाएं बनाने के लिये अधिकतम मात्रा में पसाई एश का उपयोग करेंगे।

75. सोडा आर उद्योग
(साल्वे प्रक्रिया)

पेरामीटर	मीनास (प्रापक निकाय विनिर्दिष्ट)	खारा	अन्तर्रेशी भूपृष्ठ जल
	समुद्री		
पी एच	6. 5-9	6. 5-9	6. 5-9
ताप	45° सें. या कम	45° सें. या कम	45° सें. या कम
तेल और ग्रीन	2 मिलीग्राम/एल	20 मिलीग्राम/एल	10 मिलीग्राम/एल
निलम्बित पिंड (एस)	500 मिलीग्राम/एल	200 मिलीग्राम/एल	100 मिलीग्राम/एल
प्रमोनियामय नाइट्रोजन	5 मिलीग्राम/एल	50 मिलीग्राम/एल	30 मिलीग्राम/एल
जैव अमापन	96 घंटों में 30 प्रतिशत	96 घंटों में 90 प्रतिशत	96 घंटों में 90 प्रतिशत
	उत्तरजिविता	उत्तरजिविता	उत्तरजिविता

टिप्पण :—खारे और अन्तर्रेशी भूपृष्ठ जल में विसर्जन के लिये मीनास सनुक्त नहीं होंगे।

द्वित प्रक्रिया सोडा तार संयंकों के लिये मानक :

पेरामीटर	मीनास (अन्तर्रेशी भूपृष्ठ जल)
पी एच	6. 6 - 8. 0
अमोनियामय नाइट्रोजन, एन के रूप में (मिलीग्राम/एल)	50
नाइट्रोट नाइट्रोजन, एन के रूप में (मिलीग्राम/एल)	10
सायानाइट, सी एन के रूप में (मिलीग्राम/एल)	0. 2
हैक्साब्लन्ट क्रोमीयम (मिलीग्राम/एल)	0. 1
कुल क्रेमियम (मिलीग्राम/एल)	2. 0
निलम्बित ठोस (मिलीग्राम/एल)	100
तेल और ग्रीन (मिलीग्राम/एल)	10

टिप्पण : ये मानक उद्योग द्वारा समवेद्ध सारणी में 2 वर्ष के भीतर कियान्वित किये जायेंगे। समवेद्ध कियान्वयन सारणी की प्रगति उद्योग द्वारा भावधिक रूप में राज्य प्रबूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय प्रबूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रस्तुत की जायेगी।

76. क्यूपोला भट्टी के एस ओ₂ के लिये उत्तरजन मानक

क्यूपोला भट्टी के सल्फर डाक्याक्साइड उत्तरजन के लिये मानक :

संक्षण	उत्तरजन सीमा
सल्फर डाक्याक्साइड (एस ओ ₂) उत्तरजन	12 प्रतिशत सो ओ ₂ संरोधन पर 300 मिलीग्राम/एत ² एम ³

मानक प्राप्त करने के लिये फाउंड्रियां मार्जिक संस्थापित कर सकती हैं जिसके पास धातुग्राह के परे क्यूपोलों के अंतर्गत से 6 गुणा ऊंची चिमनी बनाई जायेगी।

टिप्पण : यदि किसी तकनीकी कारणों से मार्जिक का अन्यायम संभव न हो तो परिवेशी वायु में एस ओ₂ का मान चिमनी की ऊंचाई द्वारा प्राप्त किया जायेगा।

77. उत्सर्जन से संबंधित पैरामीटरों के लिये मोटर गैसोलीन के विनियोग

क्रम सं.	लक्षण	अपेक्षा	भा.मा. 1448 के प्रतिनियोग में परीक्षण की पद्धति
1	2	3	4
(i)	38° सेन्टीग्रेड के पी ए पर रीड्युक्शन पर ताप	35 से 70	पी : 39
(ii)	बेंजीन प्रबलता का प्रतिशत, अधिकतम	5.0 (1)	पी : 101
(iii)	मीमा अन्तर्वर्षमू (पी बी के रूप में ग्राम/एल. अधिकतम	0.15 (निम्न सीमित) ² 0.013 (असीमित)	पी : 38
(iv)	सल्फर, द्रव्यमान का प्रतिशत, अधिकतम	0.10 (ग्रामीन) 0.20 (मीमा)	पी : 34
(v)	स्थिरीज राल, ग्राम/एल अधिकतम	5.0	ए एस टी एम 873 : 8
(vi)	राल/(वित्तायन प्रथातिरा) ग्राम/एम ³ अधिकतम	4.0	पी : 29
(vii)	आक्सीजनीड्यू अन्तर्वर्षमू-द्व्यर (एम ई टी बी) (ई टी बी ई) एल्कोहॉल, प्रबलता का प्रतिशत, अधिकतम	1.5	
(viii)	फासफोरस	पाद टिप्पण (3) देखें	ए एस टी एम डी 3231
(1)	महानगरों में 2000 ई. तक प्रबलता का अधिकतम 3 प्रतिशत		
(2)	30 दिसम्बर, 1996 तक 0.15 ग्राम/एल (सम्पूर्ण देश के लिये) 1 अप्रैल, 1995 तक (चार महानगरों में) 0.013 ग्राम/एल 1 दिसम्बर, 1998 तक (सभी राज्यों की राजधानियों के लिये) / संघ राज्य शेदों और प्रमुख महानगरों के लिये) और 1 अप्रैल, 2000 ई. तक सम्पूर्ण देश के लिये		
(3)	संयोजकों युक्त फासफोरस अनुपस्थित होगा।		

टिप्पण :

(क) उपर्युक्त विनियोग मीमा अन्तर्वर्षमू को औडकर सीमीन पैक्सेल और असीसीन पैक्सेल दोनों को नागू होंगे।
(ख) 1997 के दौरान या उसके पश्चात् बनने वाली नई परिकरणियों के लिये, विद्यमान परिकरणियों के लिये 2000 ई. तक नागू विनियोग 1997 तक नागू होंगे।

78. उत्सर्जन से संबंधित पैरामीटरों के लिये डोजल और दृष्टिन के लिये विनियोग :—

क्रम सं.	लक्षण	अपेक्षा	भा.मा. : 1448 के पी के प्रति नियोग से परीक्षण की पद्धति
(I)	15 डिग्री सेंट्री.फि.ग्रा./एम ³ पर बनता	820 से 880 (1)	पी : 32
(II)	सीटेन मैन्यूनेशन	45.0 (2)	पी : 9
(III)	अधिकतम डिग्री सेंट्री. पर प्रबलता उपलब्धि द्वारा 85 प्रतिशत आसवन अधिकतम डिग्री सेंट्री पर, प्रबलता उपलब्धि द्वारा 95 प्रतिशत	350 370	पी : 18
(IV)	सल्फर, द्रव्यमान पर प्रतिशत	0.50 (3)	पी : 33
(1)	2000 ईस्टी तक 820 से 860		
(2)	31 दिसम्बर, 1998 तक 48 (परिकरणियों के मिवाय दिग्बोई, गुवाहाटी, बांग्लादेश रिफाइनरीम और पैट्रोकैमिकल्स लिमिटेड)		
(3)	(I) चार महानगरों और नाज ट्रेनिंगिंग में 1 अप्रैल, 1996 तक द्रव्यमान पर 0.05 प्रतिशत।		

(II) ताज टैपीरियम में 1 अक्टूबर, 1996 तक द्रव्यमान पर 0.25 प्रतिशत।

(III) संपूर्ण देश में 1 अप्रैल, 1999 तक द्रव्यमान पर 0.25 प्रतिशत।

टिप्पण

(क) उपर्युक्त विनिर्देश केवल एचएस डी को लागू होगे।

(ख) 1997 के दौरान या उसके पश्चात् लगते वाली नई परिकरणियों के लिये विद्यमान परिकरणियों के लिये 2000 तक लागू विनिर्देश 1997 तक लागू होंगे।

(ग) "वी" से भा. भा. : 1448 के भाग के प्रति निर्देश है।

4. उक्त नियमों की अनुसूची VI में संलग्नक में क्रम सं. 9 पर विनिर्दिष्ट मार्गदर्शक मिलानों को लागू नहीं किया जायेगा।

5. उक्त नियमों में,—

(क) नियम 3 में उक्त नियम (3क) और उसमें संबंधित प्रविधियों के पश्चात् निम्नलिखित उप नियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"(3क) उद्योगों, संक्रियाओं या प्रक्रियाओं से पर्यावरणीय प्रदूषकों का कोई उत्सर्जन या विसर्जन अनुसूची—VII के (3) से (5) में प्रत्येक प्रदूषक के सामने दिये गये और उदार्दणित किये गये, परिवेशी वायु में सूमंगन सान्दर्भ से प्रधिक नहीं होगा।"

(ख) अनुसूची VI और उसमें संबंधित प्रविधियों के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूची अंतःस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

अनुसूची—VII

[नियम 3(ख) देखिए]

राष्ट्रीय परिवेशी वायु क्वानिटी मानक (एन ए ए क्यूएम)

प्रदूषक	समय भागित आमत	परिवेशी वायु में सान्दर्भ			
		औषधिक क्षेत्र	तिवारीय, ग्रामीण संत्रेवन शीर क्षेत्र और अन्य क्षेत्र	मापन की पद्धति	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
मल्फर डाईआक्साइड वार्षिक औसत*	80 यू.जी./एम ³	60 यू.जी./एम ³	15 यू.जी./एम ³	उन्नत पण्डित और मार्गदर्शक पद्धति	एस. ओ. ₂ के रूप में 24 घंटे के बाद** 120 यू.जी./एम ³ 80 यू.जी./एम ³ 30 यू.जी./एम ³ पराबोर्गनी परिवर्द्धित
नाइट्रोजन के आक्साइड वार्षिक औसत*	80 यू.जी./एम ³	60 यू.जी./एम ³	15 यू.जी./एम ³	जैकब और हॉन्चाइजर उपकरणिक (न-आसेन्टिक) पद्धति	एन.ओ. ₂ के रूप में 24 घंटे के बाद** 120 यू.जी./एम ³ 80 यू.जी./एम ³ 30 यू.जी./एम ³ गैस, फेस, रासायनिक संदीप्ति
तिनावित विप्रिका वार्षिक औसत*	360 यू.जी./एम ³	140 यू.जी./एम ³	70 यू.जी./एम ³	उच्च प्रबलता प्रति चयन	
पदार्थ (एम पी एम)	24 घंटे के बाद** 500 यू.जी./एम ³	200 यू.जी./एम ³	100 यू.जी./एम ³	औसत प्रबाह दर (1.1एम ³ /मिनट से कम नहीं)	
अंतःएवमीय वार्षिक औसत*	120 यू.जी./एम ³	60 यू.जी./एम ³	50 यू.जी./एम ³	अंतःएवमीय विवित पदार्थ प्रति	
विवित पदार्थ 24 घंटे के बाद** 150 यू.जी./एम ³	100 यू.जी./एम ³	75 यू.जी./एम ³		चयन	
(10 यू.एम से कम आकार (आरपी एम)					

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
सीसा (पी बी)	वार्षिक औसत*	1. 0 यू. जी./एम ³	0. 75 यू. जी./एम ³	0. 50 यू. जी./एम ³	ईपीएम 2000 या समरूप फिल्टर पेपर का प्रयोग करते हुए प्रति 24 घंटे के बाद** 1. 5 यू. जी./एम ³
			1. 00 यू. जी./एम ³	0. 75 यू. जी./एम ³	चयन के पश्चात् एएस पद्धति
कार्बन	8 घंटे**	5. 0 एमजी/एम ³	2. 0 एम जी/एम ³	1. 0 एम जी/एम ³	असंवितरक अवरक्त
मोनोक्साइड	1 घंटा	10. 0 एमजी/एम ³	4. 0 एमजी/एम ³	2. 0 एम जी/एम ³	स्पैक्ट्रामिकी

*एक रूप अंतराल पर वर्ष में सप्ताह में दोबार प्रति 24 घंटे के रूप अंतराल पर लिये गये न्यूनतम 104 मापों का वार्षिक समान्तर मध्य।

**वर्ष में 98 प्रतिशत समय पर 2.4 घंटे/8 घंटे के मान अपनाये जायेंगे। 2 प्रतिशत समय पर यह अधिक हो सकता है किन्तु निरंतर दिन नहीं।

टिप्पण : राष्ट्रीय परिवेशी वायु क्वालिटी मानक लोक स्वास्थ्य, बनस्पति और संपत्ति के संरक्षण के लिये वायु क्वालिटी के स्तर पर सुरक्षा की पर्याप्त मात्रा सहित वायु क्वालिटी स्तर आवश्यक होगे।

2. जब कभी और जहां भी किसी प्रबंध के लिये दो निरंतर भूत्य, ऊपर विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक हो तो नियमित निरंतर मानीटरम और अनिवार्य जांच करवाने के लिये पर्याप्त कारण समझा जायेगा।

[फा. सं. क्यू. 15017/24/89-जी पी डब्ल्यू]
एन. बागची, सलाहकार

टिप्पणी :—भारत के राजपत्र में दिनांक 19 नवम्बर, 1986 को का.आ. 844(ई) के तहत प्रधान नियम प्रकाशित किये गये और बाद में दिनांक 18 अप्रैल, 1987 के का.आ. 433(ई), दिनांक 18 जनवरी, 1988 के का.आ. 64(ई), दिनांक 3 जनवरी, 1989 के का.आ. 8(ई), दिनांक 15 मार्च, 1989 के का.आ. 190(ई), दिनांक 24 अक्टूबर, 1989 के सा.का.नि. 913(ई), दिनांक 8 जनवरी, 1990 के का.आ. 12(ई), दिनांक 30 अगस्त, 1990 के सा.का.नि. 742(ई), दिनांक 16 जनवरी, 1991 के का.आ. 23(ई), दिनांक 21 फरवरी, 1991 के सा.का.नि. 93(ई), दिनांक 12 फरवरी, 1992 के सा.का.नि. 95(ई), दिनांक 13 मार्च, 1992 के सा.का.नि. 320(ई) दिनांक 5 मई, 1992 के सा.का.नि. 475(ई), दिनांक 1 अक्टूबर, 1992 के सा.का.नि. 797(ई), दिनांक 28 अप्रैल, 1993 के सा.का.नि. 386(ई), दिनांक 19 मई, 1993 के सा.का.नि. 422(ई), तथा 31 दिसम्बर, 1993 के सा.का.नि. 801(ई) के द्वारा संगोष्ठित किये गये।

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd April, 1996

G.S.R. 176(E).—In exercise of the powers conferred by sections 6 and 25 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Environment (Protection) Rules, 1986, namely :—

1. (1) These rules be called the Environment (Protection) (Amendment) Rules, 1996.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Environment (Protection) Rules, 1986 (hereinafter referred to as the said rules), for the words, figures and brackets "BOD (5 days at 20°C)", wherever they occur, the following words, figures and brackets shall respectively be substituted, namely :—

"BOD (3 days at 27°C)."

3. In the Schedule I to the said rules,—

(a) against serial number 15 relating to Fermentation Industry (Distilleries, Maltries and Breweries), in columns 3 and 4, for the existing BOD Parameters and Standards, the following shall be substituted, namely :—

Sl. No.	Industry	Parameter	Standards
		"BOD (3 days at 27°C)	
		— Disposal into inland surface water/river/streams	30 mg/l
		— Disposal on land or for irrigation	100 mg/l."

(b) in the note occurring after serial number 15, the existing numbers (2) to (7) (both inclusive) and entries relating thereto shall be omitted;

(c) after serial number 62 and entries relating thereto, the following serial numbers and entries shall be inserted, namely :—

SCHEDULE I

Sl. No.	Industry	Parameter	Standards
1	2	3	4
			Concentration not to exceed mg/l (except pH and waste water discharge)
"63. Starch Industry (Maize products)		Effluents :	
		pH	6.5—8.5
		BOD (3 days at 27°C)	100
		Suspended Solids	150
		Wastewater discharge	8 m ³ /tonne of maize processed.

Note : The prescribed limits for BOD and suspended solids shall be made more stringent or less stringent depending upon the conditions and local requirements as mentioned below :

- (i) BOD shall be made stringent upto 30 mg/l if the recipient fresh water body is a source for drinking water supply.
- (ii) BOD shall be allowed upto 350 mg/l for applying on land, provided the land is designed and operated as a secondary treatment system with the requisite monitoring facilities. The drainage water from the land after secondary treatment has to satisfy a limit of 30 mg/l of BOD and 10 mg/l of nitrate expressed as "N". The net addition to ground water quality should not be more than 3 mg/l of BOD and 10 mg/l of nitrate expressed as "N".

- (iii) BOD shall be allowed upto 350 mg/l for discharge into a town sewer, if such sewer leads to a secondary biological treatment system.
- (iv) Suspended solids shall be allowed upto 450 mg/l for discharge into a town sewer, if such sewer leads to a secondary biological treatment system.
- (v) In the event of bulking of sludge, the industry shall immediately apprise the respective State Pollution Control Board.

64. Bokhiva hard coke oven

(i) New unit

Emissions :

(ii) Existing units

Particulate matter (corrected to 6% CO ₂)	150 mg/Nm ³
Hydrocarbons	25 ppm

Particulate matter (corrected to 6% CO ₂)	350 mg/Nm ³
--	------------------------

Note : For control of emissions and proper dispensation of pollutants the following guidelines shall be followed :—

- (i) Units set up after the publication of this notification shall be treated as new units.
- (ii) A minimum stack height of 20 meters shall be provided by each unit.
- (iii) Emissions from coke ovens shall be channelised through a tunnel and finally emitted through a stack. Damper adjustment techniques shall be used to have optimum heat utilisation and also to control the emission of unburnt carbon particles and combustible flue gases.
- (iv) Wet scrubbing system or waste heat utilisation for power generation or byproduct recovery systems should be installed preferably to achieve the prescribed standards.
- (v) After four years from the date of this notification, all the existing units shall comply with the standards prescribed for the new units.

65. Briquette Industry (Coal)

(a) Units having capacity less than 10 tonnes.

Emissions :

(b) Units having capacity 10 tonnes or more.

Particulate matter (corrected to 6% CO ₂)	350 mg/Nm ³
--	------------------------

Particulate matter (corrected to 6% CO ₂)	150 mg/Nm ³
--	------------------------

Note : For control of emissions/and proper dispersal of pollutants, the following guidelines shall be followed by the industry :—

- (i) A minimum stack height of 20 meters shall be provided.
- (ii) All ovens shall be modified to single chimney multi-oven systems.
- (iii) Emissions from ovens shall be channelised through in-built draft stack. Optimum heat utilisation technique shall be used.
- (iv) In case of units having capacity 10 tonnes and above, wet scrubbing system shall be provided to control air pollution.

66. Soft Coke Industry

Particulate matter (Corrected to 6% CO₂) 350 mg/Nm³

Note : Wet scrubbing systems alongwith byproduct recovery system shall be provided.

Guidelines for Emission Control to Improve Work Zone Environment (applicable for industries at serial numbers 64, 65 and 66):

- (a) Water used for quenching and wet scrubbing shall be re-circulated and reused through catch-pits.
- (b) Leakages in the oven shall be sealed by bentonite or by any suitable paste and by proper maintenance to avoid fugitive emission.

Guidelines for Coal Handling and Crushing Plant (applicable to industries at serial numbers 64, 65 and 66)

- (a) Unloading of coal trucks shall be carried out with proper care avoiding dropping of the materials from height. It is advisable to moist the material by sprinkling water while unloading.
- (b) Pulversiation of coal shall be carried out in an enclosed place and water sprinkling arrangement shall be provided at coal heaps, crushing area and on land around the crushing unit.
- (c) Work area surrounding the plant shall be asphalted or concreted.
- (d) Green belt shall be developed along the boundary of the industry.
- (e) Open burning of coal to manufacture soft coke shall be stopped.

67. Edible oil & Vanaspati Industry

Effluents :

Temperature Not more than 5°C above ambient temperature of the recipient waterbody.

pH 6.5—8.5

Suspended solids 150 mg/l

Oil & grease 20 mg/l

BOD (3 days at 27°C) 100 mg/l

COD 200 mg/l

Wastewater Discharge

(i) Solvent extraction 2.0 cum/tonne of product (oil)

(ii) Refinery/Vanaspati 2.0 cum/tonne of product
(refined oil/Vanaspati)

(iii) Integrated unit of solvent extraction & refinery/ vanaspati 4.0 cum/tonne of refined oil/ Vanaspati produced

(iv) Barometric cooling water/ 15.0 cum/tonne of refined
De-odoriser water oil/vanaspati

Note 3:

(i) The above standards shall be applicable to wastewater from processes and cooling.

(ii) BOD shall be made stringent upto 30 mg/l if the recipient fresh water body is source of drinking water supply.

(iii) The standards for boiler emissions shall be applicable as prescribed under Schedule I of these rules

68 Organic Chemicals manufacturing industry

(a) Compulsory parameters

pH	6.5—8.5
BOD (3 days at 27°C)	100 mg/l
Oil & Grease	10 mg/l
Bioassay test	Minimum 90% survival after 96 hours with 5% at 100% effluent

(b) Additional parameters

	(mg/l)
Nitrate (as N)	10
Arsenic	0.2
Hexavalent Chromium	0.1
Total Chromium	1.0
Lead	0.1
Cyanide as CN	0.2
Zinc	0.5
Mercury	0.01
Copper	2.0
Nickel	2.0
Phenolics as C ₆ H ₅ OH	5.0
Sulphide	2.0

Note :

(i) No limit for COD is prescribed but it shall be monitored. If the COD in a treated effluent is persistently greater than 250 mg/l, such industrial units are required to identify chemicals causing the same. In case these are found to be toxic as defined in Hazardous Chemicals Rules, 1989 in Part I of Schedule-I, the State Boards in such cases may direct the industries to install tertiary treatment system stipulating time limit. This may be done on case-to-case basis.

(ii) These standards are not applicable to small-scale detergent (formulating units).

(iii) The standards for boiler emissions shall be applicable as per the existing emission regulations.

(iv) Industry covered under this group are halo-aliphatics, plasticizers, aromatics (alcohols, phenols, esters, acids and salts, aldehydes and ketone), substituted aromatics, aliphatic (alcohols, esters, acids, aldehydes, ketones, amines and amides) and detergents.

69. Flour Mills

Effluents

pH	6.5—8.5
BOD (3 days at 27°C)	100 mg/l
Total Suspended solids	100 mg/l
Oil & Grease	10 mg/l

Wastewater discharge 2 cubic meter per tonne of wheat processed.

Note:

- (i) I.CD shall be made stringent upto 30 mg/l if the recipient freshwater body is a source for drinking water supply.
- (ii) BOD shall be allowed upto 350 mg/l for applying on land, provided the land is designed and operated as a secondary treatment system with the requisite monitoring facilities. The drainage water from the land after secondary treatment has to satisfy a limit of 30 mg/l of BOD and 10 mg/l of nitrate expressed as "N". The net addition to ground water quality should not be more than 3mg/l of BOD and 10 mg/l of nitrate expressed as "N".
- (iii) BOD shall be allowed upto 350mg/l for discharge into a town sewer, if such sewer leads to a secondary biological treatment system.
- (iv) Suspended solids shall be allowed upto 450 mg/l for discharge into a town sewer, if such sewer leads to a secondary biological treatment system.

70. Boilers (Small)

Steam generation capacity (ton/hour)	Particulate matter (mg/Nm ³)	emission
less than 2	1200*	
2 to less than 10	800*	
10 to less than 15	600*	
15 and above	150**	

*to meet the respective standards, cyclone/multicyclone is recommended as control equipment with the boiler.

**to meet the standard, bag filter/ESP is recommended as control equipment with the boiler.

Note :

- (i) 12% of CO₂ correction shall be the reference value for particulate matter emission standards for all categories of boilers.
- (ii) These limits shall supersede the earlier limits notified under Schedule I at serial number 34 of Environment (Protection) Act, 1986 vide notification GSR 742 (E), dated 30th August, 1990.
- (iii) Stack Height for small Boilers.

(iii) Stack Height for small Boilers.

For the small boilers using coal or liquid fuels, the required stack height with the boiler shall be calculated by using the formula

$$H = 14 \text{ } O^{\circ} \cdot 3$$

Where H —Total stack height in meters from the ground level.

$Q = \text{SO}_2$ emission rate in kg/hr.

In no case the stack height shall be less than 11 meters,

Where providing all stacks are not feasible using above formula the limit of 400 mg/Nm³ for SO₂ emission shall be met by providing necessary control equipment with a minimum stack height of 11 meters.

71. Pesticide Industry

(i) Compulsory Parameters	mg/l except pH
pH	6.5—8.5
BOD (3 days at 27°C)	100
Oil & Grease	10
Suspended solids	100
Bioassay test :	Minimum 90% survival of fish after 96 hours with 90% effluent and 10% dilution water. Test shall be carried out as per IS : 6502-1971.
(ii) Additional Parameters	mg/l
(a) Heavy metal	
Copper	1.0
Manganese	1.0
Zinc	1.0
Mercury	0.01
Tin	0.1
Any other like Nickel	shall not exceed 5 times the drinking water standards (BJS) individually.
(b) Organics	
Phenol & Phenolic Compounds as C_6H_5OH	1.0
(c) Inorganics	
Arsenic as AS	0.2
Cyanide as CN	0.2
Nitrate as NO_3	50
Phosphate as P	5.0
(d) Specific pesticide	(microgram/litre)
Benzene hexachloride	10
DDT	10
Dimethoate	450
Copper oxychloride	9600
Ziram	1000
2, 4D	400
Paraquat	23000
Propanil	7300
Nitrofen	780
Other /below mentioned pesticides individually)	100

Other pesticides :

(i) Insecticides :

Aluminium Phosphide	Lindane	Pyrethrum extract
Dichlorovos	Malathion	Quinalphos
EDTC Mixer	Methyl Bromide	Monocrotophos
Ethylene Dibromide	Nicotine Sulphate	Carbaryl
Ethion	Oxydemeton Methyl	Endosulfan
Fenitrothion	Methyl Parathion	Fenvalerate
Lime-sulphur	Phosphamidon	Phorate
Temephos		

(ii) Fungicides :

Aureofungin	Organomercurials (MEMC & PMA)
Barium Polysulphide	Sulphur (Colloidal, Wettable & Dust)
.	
Cuprous Oxide	Streptocycline
Ferbam	Thiram
Mancozeb	Zineb
Manab	Carbendazim
Nickel Chloride	Tridemorph

(iii) Rodenticides :

Comafuryl
Warfarin
Zinc Phosphide

(iv) Nematicides :

Metham N-Sodium

(v) Weedicides :

Fluchloralin
Isoproturon
Butachlor
Anilphos

(vi) Plant Growth Regulants :

Chloromequat Chloride
Nemphalene Acetic Acid

(vii) Any other pesticide not specified
above.

Note :

- (1) Limits shall be complied with at the end of the treatment plant before any dilution.
- (2) From the 'Additional Parameters' specified in 71 (ii), only the relevant parameters (based on the raw-materials used and products manufactured) may be prescribed by the concerned State Board on a case-to-case basis.
- (3) No limit for COD is prescribed. If the COD in a treated effluent is persistently more than 250 mg/l, such industrial units are required to identify the chemicals causing the same. In case, these are found to be toxic as defined in Schedule I of the Hazardous Chemicals Rules, 1989, the State Boards in such cases may direct the industries to install tertiary treatment, stipulating time limit. This may be done on a case-to-case basis.
- (4) Solar evaporation followed by incineration is a recognised practice, provide the guidelines of solar evaporation as given below are followed.

Guidelines on solar evaporation system or waste water from pesticide industry.

- (i) Solar evaporation pans shall be constructed in such a way that the bottom is atleast one meter above the ground level.
- (ii) Solar evaporation pans shall be leak proof and of impervious construction and designed as per IS:7290.
- (iii) The solar evaporation pans shall be designed on the basis of evaporation rate matching to the out put of wastewater.
- (iv) Wastewater must be pre-treated as below before subjecting to solar evaporation :
 - (a) Oil and grease and floating organics shall be removed so that the rate of evaporation is not affected.
 - (b) Acidic/Alkaline waste must be neutralised before solar evaporation to maintain pH in the range of 6.5 to 8.5.
 - (c) Toxic volatile matter shall be removed so as not to cause air pollution.
- (v) During the rainy season, storm water shall not be allowed to mix with process waste and enter the pans. The wastewater shall in no case outflow from the evaporation pans. Alternative arrangements shall be made to hold the wastewater in proper impervious tanks and if necessary, force evaporated.
- (vi) In no circumstances, the liquid effluent shall be discharged without conforming to the minimal national standards or stored in a holding arrangement which is likely to cause pollution.
- (vii) The sludge from the solar evaporation pans shall be incinerated or disposed as per the guidelines for management and handling of hazardous waste, published by the Ministry of Environment and Forests,

Government of India, after obtaining authorization from the State Pollution Control Board under the Hazardous Wastes (Handling and Management) Rules, 1989.

(viii) The facility shall be protected from flood and storm to prevent embankments from erosion or any other damage which may render any portion inoperable.

(ix) Facilities shall have protective enclosure to keep wildlife, domestic animals, unauthorised persons, etc. away.

2. Oil Drilling and Gas Extraction Industry

Standards for Liquid Effluent

1.0 On-Shore facilities

(For Marine Disposal)

pH	5.5—9.0
Oil & grease	10 mg/l
Suspended solids	100 mg/l
BOD (3 days at 27°C)	30 mg/l

Note :

(i) For on-shore discharge of effluents, in addition to the standards prescribed above, proper marine outfall has to be provided to achieve the individual pollutant concentration level in sea water below their toxicity limits as given below, within a distance of 50 metre from the discharge point, in order to protect the marine aquatic life :

Parameter	Toxicity limit, mg/l
Chromium as Cr	0.1
Copper, as Cu	0.05
Cyanide, as CN	0.005
Fluoride, as F	1.5
Lead, as Pb	0.05
Mercury, as Hg	0.01
Nickel, as Ni	0.1
Zinc, as Zn	0.1

(ii) Oil and gas drilling and processing facilities, situated on land and away from saline water sink, may opt either for disposal of treated water by on-shore disposal or by re-injection in abandoned well, which is allowed only below a depth of 1000 metres from the ground level. In case of re-injection in abandoned well the effluent have to comply only with respect to suspended solids and oil and grease at 100 mg/l and 10 mg/l, respectively. For on-shore disposal, the permissible limits are given below :

S. No.	Parameter	On-shore discharge standards (Not to exceed)
1	2	3
1.	pH	5.5—9.0
2.	Temperature	40°C
3.	Suspended Solids	100 mg/l
4.	Zinc	2 mg/l

1	2	3
5.	BOD	30 mg/l
6.	COD	100 mg/l
7.	Chlorides	600 mg/l
8.	Sulphates	1000 mg/l
9.	TDS	2100 mg/l
10.	% Sodium	60 mg/l
11.	Oil and Grease	10 mg/l
12.	Phenolics	1.2 mg/l
13.	Cyanides	0.2 mg/l
14.	Fluorides	1.5 mg/l
15.	Sulphides	2.0 mg/l
16.	Chromium (Cr + 6)	0.1 mg/l
17.	Chromium (Total)	1.0 mg/l
18.	Copper	0.2 mg/l
19.	Lead	0.1 mg/l
20.	Mercury	0.01 mg/l
21.	Nickel	3.0 mg/l

2.0 Off-shore facilities :

For off-shore discharge of effluents, the oil content of the treated effluent without dilution shall not exceed 40 mg/l for 95% of the observation and shall never exceed 100 mg/l. Three 8-hourly grab samples are required to be collected daily and the average value of oil and grease content of the three samples shall comply with these standards.

B. Guidelines for Discharge of Gaseous Emission :

1.0 DG Sets

1.1 DG sets at drill site as well as production station shall conform with the norm notified under the Environment (Protection) Act, 1986.

2.0 Elevated/ground flares

2.1 Cold Venting of gases shall never be resorted to and all the gaseous emissions are to be flared.

2.2 All flaring shall be done by elevated flares except where there is any effect on crop production in adjoining areas due to the flaring. In such cases, one may adopt ground flaring.

2.3 In case of ground flare, to minimise the effects of flaring, the flare pit at Group Gathering Station (GGS)/ Oil Collecting Station (OCS) and Group Collection Station (GCS) shall be made of RCC surrounded by a permanent wall (made of refractory brick) of minimum 5m height, to reduce the radiation and glaring effects in the adjoining areas.

2.4 A green belt of 100 m width may be developed around the flare after the refractory wall in case of ground flaring.

2.5 If the ground flaring with provision of green belt is not feasible, enclosed ground flare system shall be adopted, and be designed with proper enclosure height, to meet the ground level concentration (GLC) requirement.

2.6 In case of elevated flaring, the minimum stack height shall be 30m. Height of the stack shall be such that the max. GLC never exceeds the prescribed ambient air quality limit.

3.0 Burning of effluent in the pits shall not be carried out at any stage.

C. Guidelines for Disposal of Solid Waste :

1.0 Disposal of drill cuttings

1.1 The drill cuttings shall be conveyed through a conveyor system to the disposal pit after proper washing.

1.2 No drill cuttings (of any composition) shall be disposed off-shore. For off-shore installation, drill cuttings separated from mud, shall be transported on-shore through supply vessels for secured land-fill disposal

as per Ministry of Environment and Forests' guidelines. The site shall be approved by the concerned authority (State Government/State Pollution Control Board).

1.3 The disposal of drill cuttings (on-shore/off-shore) shall conform to the guidelines provided by the Ministry of Environment and Forests.

1.4 The secured land-fill pit shall be covered with a thick layer of local top soil provided with proper top slope, after drilling operation is over.

2.0 Disposal of drilling mud.

2.1 The unusable portion of the drilling mud (of any composition); after reclamation shall be disposed of only at a secured land-fill site approved by the concerned authority (State Government/State Pollution Control Boards). The disposal of mud shall conform to the guidelines provided by the Ministry of Environment and Forests under the Hazardous Wastes (Management and Handling) Rules, 1989.

2.2 No mud (of any composition) shall be disposed off-shore. For off-shore installation, the unusable portion of the mud shall be brought back to the shore for disposal in a secured land-fill.

2.3 Only water-based mud system shall be used. Where oil-based muds are used, the muds, after they become unusable, shall be properly treated/incinerated, in a centralised treatment facility. In case of off-shore installation, these may be brought to the shore and treated.

3.0 Production stage solid waste disposal.

3.1 The dried sludge from wastewater treatment plant and other solid wastes at production stage shall be disposed in a secured land-fill.

3.2 In case oil content in the sludge is high, it shall be properly treated/incinerated and ash shall be disposed of in a secured land-fill.

73. Pharmaceuticals industry (Bulk Drugs) :

(i) Compulsory parameters	(mg/l except pH)
pH	6.5—8.5
Oil and Grease	10
BOD (3 days at 27°C)	100
Total suspended solids	100
Bioassay test	90% survival after 96 hours in 100% effluent test shall be carried out as per IS:6582-1971.
(ii) Additional parameters	mg/l
Mercury	0.01
Arsenic	0.2
Chromium (Hexavalent)	0.1
Lead	0.1
Cyanide	0.1
Phenolics (C ₆ H ₅ OH)	1.0
Sulphides (as S)	2.0
Phosphate (as P)	5.0

Note :

(i) The limit of BOD (3 days at 27°C) shall be 30 mg/l if effluent is discharged directly to a fresh water body.

(ii) The additional parameters are applicable to bulk drug manufacturing units depending upon the process and product.

(iii) No limit for COD is prescribed, but it shall be monitored. If the COD of the treated effluent is greater than 250 mg/l, such industrial units are required to identify chemicals causing the same. In case these are found to be toxic, as defined in

the Hazardous Chemicals Rules, 1989 (Scheduled I), the State Boards in such cases shall direct the industries to instal tertiary treatment system within the stipulated time limit. This may be done on a case-to-case basis.

74. Emission Standards for brick kilns :

I. Minimal National Emission Standards for Brick Kilns :

Size	Kiln Capacity	Maximum limit for the concentration of particulate matter (mg/N cu. m)
1	2	3
Small	Less than 15,000 bricks per day (less than 15 ft trench width)	1000
Medium	15,000—30,000 bricks per day (15—22 ft trench width)	750
Large	More than 30,000 bricks per day (more than 22 ft trench width)	750

Note :—The above particulate matter emission limits are achievable by installing fixed chimney high draught kilns and/or settling chamber.

II. Stack Height Regulation :

The following stack heights are recommended for optional dispersion of particulate matter :—

Kiln Capacity	Stack height
1	2
Less than 15,000 bricks per day (less than 15 ft trench width)	Minimum stack height of 22m or, Induced draught fan operating with minimum draught of 50 mm Water Gauge with 12 m stack height.
15,000—30,000 bricks per day (15—22 ft trench width)	Minimum stack height of 27 m with gravitational settling chamber or Induced draught fan operating with minimum draught of 50 mm Water Gauge with 15 m stack height.
More than 30,000 brick per day (more than 22 ft. trench width).	Minimum stack height of 30 m with gravitational settling chamber or, Induced draught fan operating with minimum draught of 50 mm Water Gauge with 17 m stack height.

III. Existing moving chimney Bull's trench kilns shall be dispensed with by December 31, 1997 and no new moving chimney kilns shall be allowed to come up.

IV. Considering the immediate need to protect the top soil and to find ways for safe disposal/utilisation of flyash, it is provided that from the 1st January, 1997, all brick manufacturing units within a radius of 50 kms from any thermal power plant, shall utilise flyash in optimal proportion for making bricks.

**75. Soda Ash Industry
(Solvay Process)**

PARAMETER	MINAS (Recipient body specified)		
	Marine	Brackish	Inland surface water
pH	6.5—9	6.5—9	6.5—9
Temperature	45°C or less	45°C or less	45°C or less
Oil & Grease	2 mg/l	20 mg/l	10 mg/l
Suspended solids (SS)	500 mg/l	200 mg/l	100 mg/l
Ammoniacal nitrogen	5 mg/l	50 mg/l	30 mg/l
Bio-assay	96 hours	96 hours	96 hours
	30% survival	90% survival	90% survival

Note :—MINAS for disposal in brackish and inland surface water are without any dilution.

Standards for Dual Process Soda Ash Plants :

Parameter	MINAS	
	(Inland Surface Water)	
pH	6.5 — 8.0	
Ammoniacal nitrogen, as N (mg/l)	50	
Nitrate nitrogen, as N (mg/l)	10	
Cyanide, as CN (mg/l)	0.2	
Hexamavalent chromium (mg/l)	0.1	
Total chromium (mg/l)	2.0	
Suspended solids, (mg/l)	100	
Oil and grease (mg/l)	10	

Note :—The standards are to be implemented by the industry in a time targetted schedule within two years.

The progress on the time targetted implementation schedule shall be periodically submitted by the industry to the State Pollution Control Board and Central Pollution Control Board.

**76. Emission Standard
for SO₂ from Cupola
furnace :**

Standard for Sulphur Dioxide emission from Cupola Furnace:

Characteristics	Emission limit
Sulphur dioxide (SO ₂) emission	300 mg/Nm ³ at 12% CO ₂ corrections.

To achieve the standard, foundries may install scrubber, followed by a stack of height six times the diameter of the Cupola beyond the charging door.

Note:

In case due to some technical reasons, installation of scrubber is not possible, then value of SO₂ to the ambient air has to be effected through the stack height.

77. Specifications of Motor Gasoline for Emission Related Parameters :

Sl. No.	Characteristics	Requirement	Method of Test ref. to P : of IS : 1448
(i)	Reid Vapour Pressure at 38°C, KPa	35 to 70	P : 39
(ii)	Benzene, Percent by volume, Max	5.0 ⁽¹⁾	P : 104
(iii)	Lead Content (as (Pb) g/l, Max	0.15 (low leaded) ⁽²⁾ 0.013 (unleaded)	P : 38
(iv)	Sulphur, percent by mass, Max	0.10 (unleaded) 0.20 (leaded)	P : 34
(v)	Potential Gum, g/m ³ , Max	50	ASTM 873 : 8
(vi)	Gum (Solvent Washed) g/m ³ Max	40	P : 29
(vii)	Oxygenates Content Ether (MTBE, ETBE) Alchool, percent by volume , Max	15	
(viii)	Phosphorus	See Foot Note ⁽³⁾	ASTMD 3231

(1) 3.0 percent by volume maximum in metro cities by 2000 AD.
 (2) 0.15 g/l by 31st December, 1996 (for entries country).
 0.013 g/l by 1st April 1995 (in four metrocities);
 by 1st December, 1998 (for all State capitals/UTs and major metro cities) and
 by 1st April , 2000 for the entire country.
 (3) Phosphorous containing additives shall be absent.

Note :

(a) Above specifications applies to leaded as well as unleaded petrol except lead content.
 (b) For new refineries coming up during or after 1997 the specification applicable by 2000 for existing refineries shall be applicable by 1997.

78. Specification of Diesel Fuel for Emission Related Parameters:

Sl. No.	Characteristics	Requirement	Method of Test ref. to P : of IS : 1448
(i)	Density at 15°C, Kg/m ³	820 to 880 ⁽¹⁾	P : 32
(ii)	Cetane Number, Min	45.0 ⁽²⁾	P : 9
(iii)	Distillation 85 percent by volume recovery at °C Max 95 percent by volume recovery at °C, Max	350 370	P :18
(iv)	Sulphur, percent by mass,	0.50 ⁽³⁾	P : 33

(1) 820 to 860 by 2000 AD
 (2) 48 by 31st December, 1998 (except in the refineries—Digboi, Gauhati and Bongaigaon Refineries & Petrochemicals Ltd.).
 (3) (i) 0.50 percent by mass by 1st April 1996 in four metros and Taj Trapezium;
 (ii) 0.25 percent by mass by 1st October, 1996 in Taj Trapezium.
 (iii) 0.25 percent by mass by 1st April ,1999 throughout the country.

Note :

(a) Above specifications apply to HSD only.
 (b) For new refineries coming during or after 1997 specification applicable by 2000 for existing refineries shall be applicable by 1997.

(c) 'P' refers to parts of IS : 1448."

4. In Schedule VI to the said rules, in Annexure I, the guidelines specified at serial number 9 shall be omitted.

5. In the said rules,—

(a) in rule 3, after sub rule (3A) and entries relating thereto, the following sub rule shall be inserted, namely :—
"(3B). Any emission or discharge of environmental pollutants from the industries, operations or processes shall not exceed the relevant concentration in ambient air as indicated and set out against each pollutants in (3) to (5) of the Schedule VII",

(b) After Schedule VI and entries relating thereto, the following Schedule shall be inserted, namely:—

SCHEDULE VII

[See Rule (3B)]

National Ambient Air Quality Standards (NAAQS)

Pollutant	Time weighted Average	Concentration in Ambient Air				Method of measurement
		Industrial Area	Residential, Rural and other area	Sensitive Area		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Sulphur Dioxide	Annual Average*	80 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	60 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	15 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	— Improved West and Gacke method.	
(SO) ₂	24 hours**	120 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	80 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	30 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	— Ultraviolet fluorescence	
Oxides of nitrogen as NO ₂	Annual Average*	80 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	60 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	15 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	— Jacob & Hochheiser modified (Na-Arsenite) Method	
	24 hours**	120 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	80 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	30 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	— Gas Phase Chemiluminescence.	
Suspended Particulate matter (SPM)	Annual Average*	360 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	140 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	70 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	— High Volume Sampling	
	24 hours**	500 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	200 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	100 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	— [Average flow rate not less than 1.1 m^3/minute]	
Respirable Particulate matter (size less than 10 μm) (RMP)	Annual Average*	120 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	60 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	50 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	— Respirable particulate matter sampler.	
	24 hours **	150 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	100 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	75 $\mu\text{g}/\text{m}^3$		
Lead (Pb)	Annual Average*	1.0 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	0.75 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	0.50 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	— AAS Method after sampling using EPM 2000 or equivalent filter paper.	
	24 hours**	1.5 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	1.00 $\mu\text{g}/\text{m}^3$	0.75 $\mu\text{g}/\text{m}^3$		
Carbon Monoxide	8 hours** 1 hour	5.0 mg/m^3 10.0 mg/m^3	2.0 mg/m^3 4.0 mg/m^3	1.0 mg/m^3 2.0 mg/m^3	— Non dispersive, infrared spectrometry.	

* Annual Arithmetic mean of minimum 104 measurements in a year taken twice a week 24 hourly at uniform interval.

** 24 hourly/8 hourly values shall be met 98% of the time in a year. 2% of the time, it may exceed but not on two consecutive days.

Note : 1. National Ambient Air Quality Standard: The levels of a air quality necessary with an adequate margin of safety, to protect the public health, vegetation and property.

2. Whenever and wherever two consecutive values exceeds the limit specified above for the respective category, it shall be considered adequate, reason to institute regular/continuous monitoring and further investigations."

[File No. Q 15017/24/89-CPW]
Sd/-

N. BAGCHI, Adviser.

Note :—The principal rules were published in the Gazette of India vide Number S.O. 844/(E) dated the 19th November, 1986 and subsequently amended vide S.O. 433(E) dated 18th April, 1987, S.O. 64(E), dated the 18th January, 1988, S.O 8(E), dated the 3rd January, 1989, S.O. 190(E), dated the 15th March, 1989, G.S.R. 913(E) dated the 24th October, 1989, S.O. 12(E), dated the 8th January, 1990, G.S.R. 742(E), dated 30th August, 1990, S.O. 23(E), dated the 16th January, 1991, G.S.R. 93(E), dated the 21st February, 1991, G.S.R. 95(E) dated the 12th February, 1992, G.S.R. 329(E), dated the 13th March, 1992, G.S.R. 475(E), dated the 5th May, 1992, G.S.R. 797 (E) dated the 1st October, 1992, G.S.R. 386 (E), dated the 28th April, 1993, G.S.R. 422 (E), dated the 19th May, 1993 and G.S.R. 801(E), dated the 31st December, 1993.